सहायक सामग्री

1035. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में उपलब्ध कम्प्यूटरों, टेलेक्स तथा टेलिप्रिन्टरों आदि यांत्रिक सुविधाओं के संबंध में स्थिति क्या है और देश में इसकी यांत्रिक जानकारी को विकसित करने की प्रक्रिया क्या है तथा इस क्षेत्र में देश कहां तक आत्म निर्भर हो गया है;

(ख) उपर्युक्त वस्तुओं में से मदवार कितनी वस्तुओं का सरकार द्वारा अभी तक आयात किया गया है और किन-किन देशों से इनका आयात किया गया है तथा इनके स्वदेशीय उत्पादन संबंधी स्थिति क्या है;

(ग) क्या राजभाषा हिन्दी में भी इन उपकरणों का विकास किया गया है और क्या हिन्दी में इनका प्रयोग बढ़ता जा रहा है ; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(घ) किन-किन देशों ने इन मशीनों को निःशुल्क भेजा है और प्रत्येक देश द्वारा भेजी गयी ऐसी मशीनों की मदवार संख्या कितनी है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मन्त्री तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलैक्ट्रानिकी और अन्तरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री (श्री के० आर० नारायणन) : (क) इस समय देश में ही व्यापक श्रेणी के मिनी (लघु) कम्प्यूटरों माइक्रो (सूक्ष्म) कम्प्यूटरों का विनिर्माण किया जा रहा है, जिनमें वैयक्तिक कम्प्यूटर तथा शब्द संसाधन शामिल हैं, विशेषीकृत श्रेणी के अनुप्रयोगों के लिए,देश अभी भी आयात पर निर्भर है। सरकार प्रौद्योगिकी के आयात के लिए विदेशी सहयोग के साथ-साथ डिजाइन तथा ड्राइंगों के आयात के लिए तैयार की गई उदार नीति का अनुसरण कर रही है । इससे तथा स्वदेशी अनुसंधान तथा विकास के लिए किए गए प्रयासों से आत्म निर्भर होने में सहायता मिलेगी ।

अब यांत्रिकीय तथा इलेक्ट्रानिक दूर मुद्रकों का स्वदेश में ही विनिर्माण होने लगा है ।

(ख) इलेक्ट्रानिकी विभाग ने सरकारी विभागों को वर्ष 1984 में 67 कम्प्यूटरों तथा वर्ष 1985 में 84 कम्प्यूटरों का आयात करने की, अनुमति प्रदान की है। इन कम्प्यूटरों का आयात संयुक्त राज्य अमेरिका (अधिकांशतः) ग्रेट ब्रिटेन, जापान, फ्रांस तथा पश्चिम जर्मनी के देशों के जरिए किया गया।

वर्ष 1985 में फ्रांस से 2000 इलेक्ट्रानिक दूरमुद्रकों के आयात की अनुमति प्रदान की गई थी। अब इन दूरमुद्रकों का स्वदेश में ही विनिर्माण किया जा रहा है ।

(ग) जी हां, इंटरफेस के रूप में हिन्दी भाषा के साथ कम्प्यूटरों का विकास किया गया है तथा इन कम्प्यूटरों का प्रयोग शब्द-संसाधन और जनोपयोगी सेवाओं के लिए किया जा रहा है।

द्विभाषी इलेक्ट्रानिक दूरमुद्रकों (रोमन तथा देवनागरी दोनों लिपियों में) का विकास किया गया है तथा वर्ष 1987 के दौरान इनका विनिर्माण होने की संभावना है।

(घ) कुछ वैयक्तिक कम्प्यूटर वैयक्तिक आधार पर व्यक्तियों तथा संगठनों को दिए गए हैं, किन्तु ये कम्प्यूटर एक देश से दूसरे देश को नहीं दिए गए हैं, और ये सभी कम्प्यूटर निःशुल्क प्राप्त हुए हैं। ग्रेट ब्रिटेन ने वर्ष 1984 में भारत को शैक्षणिक प्रयोजनों के लिए 900 कम्प्यूटर उपहार के रूप में प्रदान किए हैं।

पाक सेना का जमाव

1036. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **रक्षा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सीमा पर पाक सेना के जमाव तथा टैंकों की हलचल से चिंतित होकर सीमा के निकट

रहने वाले लाखों लोग वहां से भाग आये हैं; यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ख) पाकिस्तान के संसाधनों तथा शस्त्रास्त्रों, अमरीका तथा चीन द्वारा पाकिस्तान को इन शस्त्रास्त्रों की सप्लाई में उनकी भूमिका सहित पाकिस्तान की सशस्त्र सेना के संबंध में स्थिति क्या है और इस स्थिति की तुलना में भारत की स्थिति क्या है?

रक्षा मंत्रालय में रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री अरुण सिंह) : (क) ऐसी सूचना मिली थी कि भारत-पाक सीमा के नजदीकी क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना के जमाव और उसके आगे बढ़ने की कार्रवाई के कारण दोनों तरफ के सीमावर्ती गांवों के कुछ लोग अपने भीतरी क्षेत्रों में चले गए हैं। उनकी सही संख्या के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं है। सीमा पर तनाव कम होने पर उन लोगों के अपने गांवों को वापस लौटने की सूचना मिली है।

(ख) सामरिक दृष्टि से अमेरिका की नजरों में पाकिस्तान का बहुत महत्व हो गया है। पाकिस्तान की रक्षा सेनाओं के पास अत्याधुनिक शस्त्र-प्रणालियां हैं और अमेरिका तथा चीन दोनों देशों से ऐसे शस्त्रों की सप्लाई उसे जारी है।

सरकार ऐसी सभी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखती है जिनका हमारे राष्ट्र की सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है और पूर्ण रक्षा तैयारी सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर समुचित उपाय करती है।

Restructuring the Electronics Commission and the Department of Electronics

1037. SHRI PARVATHANENI UPENDRA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether there is a scheme under Government's contemplation for restructuring the Electronics Commission and the Department of Electronics; and

(b) if so, what are the specific objectives of restructuring these bodies and the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC ENERGY, ELECTRONICS AND SPACE (SHRI K. R. NARAYANAN): (a) There is no scheme under Government's contemplation for restructuring the Electronics Commission and Department of Electronics, at present.

(b) Does not arise.

Seizure of foreign fishing trawlers by the Coast Gaurd

1038. SHRI SUBAS MOHANTY: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to news item which appeared in *The Statesman* dated the February 2, 1987 under the caption "Protecting Underwater Wealth";

(b) if so, what is the number of foreign fishing trawlers seized by the Coast Guard during 1986;

(c) what are the countries of their origin and whether their holds contained shrimp;

(d) whether there have been cases of Indian fishing boats being harassed by the Coast Guard; and

(e) if so, whether strict guidelines have been issued to the Coast Guard to ensure that harassment of interrupting of fishing activities of Indian boats does not take place?